

2812122

~~पत्रावली देखी मे ची गई । लकील
वादी चाजिर नही । नाम पुराण
भेषा । बार-बार डाकजे लडापे जने
पर भी चाजिर नही जाने पर पर
वादी अदम धजरी, अदम धेरी मे
रुदाणि किषा जावा ही पत्रावली
केतल युगा से दापिला दप्तर की
ठानी है~~

